23.04.2018	**राजस्व अपील प्राधिकारी, भरतपुर** पीठासीन अधिकारी :– श्री जे0एन0मथुरिया(आर0ए0एस0) आर.सी.एम.एस 2005/00071 अपील संख्या 151/2005 (223 आर.टी.एक्ट) उनवानः– रुपचंद बनाम जगन	
	वकील अपीलांट को बार–बार आवाज दिलाई गई। कोई उप0 नहीं। अतः पत्रावली अदम हाजरी व अदम पैरवी में खारिज की जाती है। पत्रा0 फैसल शुमार होकर नम्बर से कम की जावे एवं वाद तामील तकमील दाखिल दफतर हो। आदेश सुनाया गया।	

सत्यमेव जयते
Web Copy - Not Official